PDF प्राप्त करने के लिए Telegram channel link –https://t.me/paonehmr9090

भाषा

- वह साधन जिसके द्वारा हम अपने मन के विचारों को लिखकर या बोलकर एक-दूसरे के सामने प्रकट कर सकें, उसे भाषा कहते है

  जैसे -

  हिन्दी, अंग्रेजी, तमिल, पंजाबी, उर्दू आदि

भाषा के भेद -

1. मौखिक भाषा (जब विचारो को मुख से बोलकर प्रकट करते है।)
2. लिखित भाषा (जब विचारो को लिखकर प्रकट करते है।)

- कभी -कभी हम विचारो को संकेतों के द्वारा भी प्रकट करते है। तो इसे सांकेतिक भाषा कहते है। लेकिन यह भाषा का रूप महत्वपूर्ण नहीं है। क्योंकि इसके द्वारा विचार या भाषा को स्पष्ट रूप से प्रकट नहीं किया जा सकता।
- भारतीय संविधान की 8वीं अनुसूची मे 22 भाषाओं का उल्लेख है।
- हिन्दी भारत की राजभाषा है (न की राष्ट्रभाषा)
- राजभाषा का मतलब - राज-काज में प्रयोग होने वाली भाषा
- राष्ट्रभाषा का मतलब - राष्ट्र के द्वारा मान्यता प्राप्त
- 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा ने अनु0-343 के तहत हिन्दी को भारतीय संघ की राजभाषा के रूप मे मान्यता दी। (14 सितम्बर- राष्ट्रीय हिन्दी दिवस)
- राजकीय कार्यों मे हिन्दी लागू करने के लिए राष्ट्रपति ने 1955 मे बी. जी. खेर की अध्यक्षता मे आयोग गठित हुआ था।
- अनु0- 120(1) के तहत संसद की कार्यवाही 'हिन्दी' या 'अंग्रेजी' मे होगी।
- मानक भाषा से अभिप्राय है, जो रूप उस भाषा के प्रयोगकर्ता के अलावा अन्य भाषियों के लिए आदर्श हो, अर्थात ऐसी भाषा सभी वर्ग के लोगों द्वारा समझी जा सके।

  पत्राचार, सरकारी काम-काज, दूरदर्शन, रेडियो में मानक हिन्दी का ही प्रयोग किया जाता है।

बोली

YouTube - PAONE9090 Telegram - PAONE9090 Twitter - PAONE9090 WhatsApp – 90-2696-9090

PDF प्राप्त करने के लिए Telegram channel link –https://t.me/paonehmr9090

- इसे भाषा का क्षेत्रीय रूप कहा जाता है। उदाहरण के लिए हिन्दी भाषा की अलग-अलग क्षेत्र मे अलग-अलग बोलियां देखने को मिल जाती है

  जैसे-

  ब्रजभाषा, अवधी, भोजपुरी, राजस्थानी

- पूरे हिन्दी भाषा क्षेत्र मे 18 बोलियां बोली जाती है। इन्हे 5 वर्गों मे बांटा गया है

1. पूर्वी हिन्दी - 1. अवधी 2. बघेली 3. छत्तीसगढ़ी
2. पश्चिमी हिन्दी 1. खड़ी बोली 2. ब्रज भाषा 3. हरियाणवी 4. कन्नौजी 5. बुंदेली
3. बिहारी हिन्दी 1. भोजपुरी 2. मगही 3. मैथिली
4. राजस्थानी हिन्दी 1. जयपुरी 2. मारवाडी 3. मेवाती 4.मालवी
5. पहाड़ी हिन्दी 1. हिमाचली 2. कुमाऊँनी 3.गढ़वाली

लिपि

- मुख से निकलने वाली ध्वनियों को लिखकर प्रकट करने के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग होता है, उन चिह्नों के सामूहिक रूप को लिपि कहा जाता है।
- संसार मे अलग-अलग भाषाओ के लिए अलग-अलग लिपियाँ है लेकिन जरूरी नहीं की हर भाषा की अलग लिपि हो। संसार की कई भाषा एक ही लिपि मे लिखी जाती है

  जैसे -

  हिन्दी, संस्कृत और मराठी की देवनागरी लिपि है।, तथा अंग्रेजी, फ्रेंच की रोमन लिपि है।

व्याकरण

- भाषा को ठीक-ठीक लिखने के लिए कुछ नियमो का जानना आवश्यक है। जो शास्त्र भाषा को ठीक-ठीक बोलना और लिखना सिखाता है उन नियमों के समूह को व्याकरण कहते है।
- संसार की प्रत्येक भाषा का अपना व्याकरण होता है।

व्याकरण के विभाग

YouTube - PAONE9090 Telegram - PAONE9090 Twitter - PAONE9090 WhatsApp – 90-2696-9090

PDF प्राप्त करने के लिए Telegram channel link –https://t.me/paonehmr9090

1. वर्ण विचार
2. शब्द विचार
3. वाक्य विचार

1. वर्ण विचार - इसमें वर्णो के आकार, उच्चारण और इनके मेल से बनने वाले शब्द का अध्ययन किया जाता है।
2. शब्द विचार - प्रत्येक भाषा का अपना शब्द भण्डार होता है भाषा अपनी आवश्यकतानुसार नए-नए शब्दों का निर्माण करती रहती है और अन्य भाषाओं तथा बोलियों से भी शब्द-ग्रहण करती है। इसलिए इसमें शब्दो की उत्तपत्ती, विकास, निर्माण, आगमन और अर्थ का अध्ययन किया जाता है।
3. वाक्य विचार - वाक्य भाषा की सबसे बड़ी इकाई है। वाक्य की एक निश्चित बनावट होती है। इसलिए इसमे वाक्य के गठन, वाक्य-भेद और शब्दों के आपसी संबंध का अध्ययन किया जाता है।

हिन्दी भाषा के प्रमुख तथ्य

- हिन्दी की विकास क्रम - संस्कृत- पालि- प्राकृत- अपभ्रंश- अवहट्ट- हिन्दी

  वैदिक संस्कृत (1500 ई0पू0 - 800 ई0पू0 - चारों वेद, उपनिषद)

  लौकिक संस्कृत (800 ई0पू0 - 500 ई0पू0 - रामायण, महाभारत)

  पालि (500 ई0पू - ईसवी आरम्भ)

  प्राकृत (ईसवी आरम्भ - 500 ई0)

  अपभ्रंश (500 ई0 - 1000 ई0)

  अवहट्ट (900 ई0 -1100 ई0 संक्रमणकालीन)
- हिन्दी भारोपीय परिवार की भाषा है।
- हिन्दी भाषा की जननी संस्कृत है
- प्राकृत भाषा के 5 रूप माने जाते है -1. शौरसेनी 2. मागधी 3. अर्धमागधी 4. महाराष्ट्री 5. पैशाची
- हिन्दी का विकास शौरसेनी अपभ्रंश से हुआ है।
- रेख्ता को कृत्रिम हिन्दी की उपमा दी जाती है।
- हिन्दी का प्राचीनतम रूप ऋग्वेद में मिलता है।

YouTube - PAONE9090 Telegram - PAONE9090 Twitter - PAONE9090 WhatsApp – 90-2696-9090

PDF प्राप्त करने के लिए Telegram channel link –https://t.me/paonehmr9090

- देवनागरी का सर्वप्रथम प्रयोग गुजरात के राजा जयभट्ट(7वीं-8वीं शताब्दी) के शिलालेख में मिलता है।
- केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय ने देवनागरी लिपि तथा हिन्दी वर्तनी का मानकीकरण (1983) मे प्रकाशित किया।
- प्रथम विश्व हिन्दी सम्मेलन 10-14 जनवरी, 1975 को नागपुर मे मनाया गया।

YouTube - PAONE9090 Telegram - PAONE9090 Twitter - PAONE9090 WhatsApp – 90-2696-9090